Press Release

TATA POWER-DDL

गुरुवार, 1 फरवरी 2024 **तत्काल प्रकाशनार्थ**
नई दिल्ली

टाटा पावर-डीडीएल और एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया ने पावर सैक्टर में ट्रेनिंग्स तथा कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्रामों के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

नॉर्थ एवं नॉर्थवैस्ट दिल्ली में लगभग 7 मिलियन की आबादी को बिजली सप्लाई करने वाली अग्रणी यूटिलिटी **टाटा पावर-डीडीएल** और **एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया** (ASCI) ने देश और विदेश में पावर सैक्टर में ट्रेनिंग्स तथा कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्रामों के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत् एएससीआई तथा टाटा पावर-डीडीएल मिलकर भारत एवं अन्य देशों के पावर सैक्टर और अन्य संगठनों/व्यक्तियों की ट्रेनिंग तथा स्किल डेवलपमेंट के लिए कोर्स तैयार कर उन्हें उपलब्ध कराएंगे।

दोनों संगठनों के बीच हुए इस समझौते पर श्री प्रवीण अग्रवाल, चीफ - ह्यूमैन रिसोर्स, इंडस्ट्रियल रिलेशंस, सोशल इम्पैक्ट ग्रुप, फैसिलिटी मैनेजमेंट एंड हैल्थ सर्विसेज़, टाटा पावर-डीडीएल तथा डॉ ओमपाल सिंह, रजिस्ट्रार एवं सेक्रेटरी (आई/सी), एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (ASCI) ने एक वर्चुअल कॉन्फ्रेंस के माध्यम से, श्री अनूप नंदी, एचओडी - बीडी एंड कलेबरेशंस (एचआर-टीडी) और प्रोफेसर राजकिरण बिलोलिकर, डायरेक्टर - सेंटर फॉर एनर्जी स्टडीज़, एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (ASCI) तथा दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

इस सहयोग के चलते अगले पांच वर्षों तक, ऑपरेशन एवं मेंटीनेंस, वितरित ऊर्जा उत्पादन, स्मार्ट ग्रेड टैक्नोलॉजी, और पावर डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम्स समेत अन्य कई क्षेत्रों में नए रुझानों के संबंध में इंजीनियरों को जानकारी देने और ट्रेनिंग प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है। ये उन्नत ट्रेनिंग प्रोग्राम ईएचवी से लेकर एलवी लेवल (EHV to LV level) तक

स्मार्ट ग्रेड ऑटोमेशन (SCADA/ADMS), स्मार्ट मीटरिंग, सब-ट्रांसमिशन लाइन, ग्रिड सबस्टेशन ओ एवं एम, आर ई ग्रिड इंटीग्रेशन, इलैक्ट्रिक व्हीकल एवं चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, आईओटी, एआई तथा एमएल (ड्रोन टैक्नोलॉजी इंटीग्रेशन के साथ), फायर एवं सिक्योरिटी, तथा नेट जीरो एमिशन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जुड़े होंगे। दोनों पक्ष अलग-अलग प्रकार के ट्रेनिंग प्रोग्रामों के लिए एक-दूसरे की फैकल्टी की मदद लेंगे और इस प्रकार दोनों संगठनों के विशष्ट फैकल्टी सदस्य मिलकर चुनींदा ट्रेनिंग सेशंस का संचालन करेंगे।

इस सहयोग के बारे में, **श्री प्रवीण अग्रवाल, चीफ - ह्यूमैन रिसोर्सेज़, इंडस्ट्रियल रिलेशंस, एसआईजी, एफएम एंड हैल्थ सर्विसेज़, टाटा पावर-डीडीएल** ने कहा, *"टाटा पावर-डीडीएल में हम एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (ASCI) के साथ अपने महत्वपूर्ण सहयोग को लेकर उत्साहित हैं, जो कि पावर सैक्अर में स्किल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के टाटा पावर-डीडीएल के समर्पण को दर्शाता है। यह पार्टनरशिप हमारी टीमों के स्तर पर लगातार लर्निंग और विशषज्ञता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता की सूचक है।"*

इस भागीदारी के बारे में, **प्रोफे. राजकिरण बिलोलिकर, डायरेक्टर - सेंटर फॉर एनर्जी स्टडीज़, एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (ASCI)** ने कहा, *"हम टाटा पावर-डीडीएल के साथ मिलकर इस भागीदारी को लेकर बेहद खुश हैं जिसका मकसद पावर सैक्टर के लिए ट्रेनिंग एवं स्किल डेवलपमेंट पाठ्यक्रमों को को-क्रिएट एवं डिलीवर किया जाएगा। हम पावर सैक्टर से जुड़े प्रोफेशनल्स के लिए टैक्नो-मैनेजेरियल डेवलपमेंट एवं लीडरशिप ट्रेनिंग संबंधी कैपेसिटी बिल्डिंग से एएससीआई के सेंटर फॉर एनर्जी स्टडीज़ की क्षमताओं और टाटा पावर-डीडीएल की तकनीकी विशेषज्ञता का मेल करवाएंगे। हम भारत समेत विदेश के पावर सैक्टर हेतु इस सिनर्जी को लेकर उत्सुक हैं। यह एमओयू परस्पर सहयोग और प्रोग्रामों के जरिए इंडस्ट्री की बदलती जरूरतों को पूरा करने, नॉलेज और इनोवेशन को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।*

टाटा पावर-डीडीएल के बारे में

टाटा पावर-डीडीएल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार और टाटा पावर का ज्वाइंट वैंचर है। कंपनी नॉर्थ दिल्ली में करीब 7 मिलियन की आबादी के लिए पावर सप्लाई करती है। टाटा पावर-डीडीएल बिजली वितरण के क्षेत्र में सुधारों के स्तर पर अग्रणी है और इसे उपभोक्ता केंद्रित व्यवहारों के लिए जाना जाता है। निजीकरण के बाद से टाटा पावर-डीडीएल के वितरण इलाकों में एटीएंडसी नुकसान में रिकॉर्ड कमी आयी है। और सभी

वर्टिकल्स में एडवांस्ड टैक्नोलॉजी अपनाकर बिजली वितरण के परिदृश्य में व्यापक बदलाव लया है। वर्तमान में एटीएंडसी नुकसान 6.34% है, जिसमें जुलाई 2002 में 53% के शुरुआती नुकसान में अप्रत्याशित कमी आई है। और जानकारी के लिए देखें: www.tatapower-ddl.com

एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (ASCI) **के बारे में**

एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया **(ASCI)** का गठन 1956 में हैदराबाद में किया गया था जो कि भारत सरकार तथा भारतीय उद्योग द्वारा महत्वपूर्ण पहल के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। देश के प्रतिष्ठित मैनेजमेंट एवं लीडरशिप ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के रूप में, एएससीआई का जोर वरिष्ठ नौकरशाहों के अलावा पब्लिक सैक्टर यूनिटों के सीनियर प्रेक्टिस मैनेजरों और निर्वाचित सरकारी प्रतिनिधियों को सशक्त बनाने पर रहता है। एएससीआई के तत्वाधान में कार्यरत द सेंटर फॉर एनर्जी स्टडीज़ (सीईएस) देश में एनर्जी सैक्टर कंसल्टैंसी, ट्रेनिंग और पॉलिसी एडवोकेसी में अग्रणी है। यह एनर्जी क्षेत्र के लिए शोधकार्यों के अलावा नीति-निर्धारण और उनके कार्यान्वयन से जुड़ी रणनीतियों समेत अन्य कई गतिविधियों में सक्रिय है, जो कि सस्टेनेबल प्रेक्टिस को बढ़ावा देने की इसकी प्रतिबद्धता तथा एनर्जी सैक्टर की समकालीन चुनौतियों से निपटने की इसकी क्षमताओं का सूचक है। एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया के बारे में और जानकारी के लिए www.asci.org.in देखें।

For further information please contact:

Corporate Communications:
Sonia Sarin (9910292599)

Slough PR:
Abhishek Anand(9711061540)